अध्याय 8: चतुर गीदड़

विषय-सूची — 6 प्रश्नावली · 14 प्रश्न

प्रश्नावली 8.1	बातचीत के लिए	5 प्रश्न
प्रश्नावली 8.2	सोचिए और लिखिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 8.3	कहानी से (मिलान)	1 प्रश्न
प्रश्नावली 8.4	भाषा की बात	2 प्रश्न
प्रश्नावली 8.5	मेरी सोच	1 प्रश्न
प्रश्नावली 8.6	आप क्या सोचते हैं?	1 प्रश्न

प्रश्नावली 8.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

आपको भूख लगती है तो आपको कैसा लगता है?

उत्तर: नमूना उत्तर: भूख लगने पर पेट में दर्द होता है और मन बेचैन हो जाता है। कुछ भी काम करने में मन नहीं लगता।

प्रश्न 2

अपने मित्र की सहायता आप किस-किस प्रकार से करते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं अपने मित्र की पढ़ाई में मदद करता हूँ, उसकी बात ध्यान से सुनता हूँ और ज़रूरत पड़ने पर उसके साथ खड़ा रहता हूँ।

प्रश्न 3

कहानी का शीर्षक 'चतुर गीदड़' क्यों है?

उत्तर: क्योंकि गीदड़ ने अपनी समझदारी से मगरमच्छ की चाल पहचान ली और खतरे से बच गया। उसने मरे हुए मगरमच्छ की पूँछ हिलते देखकर सच जान लिया।

प्रश्न 4

आप इस कहानी को और क्या नाम देना चाहेंगे?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं इस कहानी को 'समझदार गीदड़' या 'चालाकी का जवाब' नाम देना चाहूँगा।

प्रश्न 5

अपनी सूझ-बूझ का कोई अनुभव बताइए।

उत्तर: नमूना उत्तर: एक बार रास्ते में मेरा बस्ता गिर गया और ताला बंद था। मैंने खिड़की से झाँककर देखा और पड़ोसी से चाबी माँगकर दरवाज़ा खोला।

प्रश्नावली 8.2 — सोचिए और लिखिए

प्रश्न 1

तालाब में मछलियाँ क्यों नहीं थीं?

उत्तर: मगरमच्छ ने तालाब की सारी मछलियाँ धीरे-धीरे खा लीं, इसलिए तालाब में मछलियाँ नहीं रहीं।

प्रश्न 2

कछुए ने क्या उपाय सोचा?

उत्तर: कछुए ने उपाय सोचा कि मगरमच्छ मरा हुआ-सा लेट जाए और वह गीदड़ को वहाँ बुलाकर उसे धोखे में फँसाए।

प्रश्न 3

गीदड़ ने समझदारी कैसे दिखाई?

उत्तर: गीदड़ ने पास जाकर ध्यान से देखा और कहा कि मरने पर मगरमच्छ की पूँछ हिलती है। जब सच में पूँछ हिली तो वह तुरंत भाग गया।

प्रश्न 4

गीदड़ को मगरमच्छ की सच्चाई कैसे पता चली?

उत्तर: गीदड़ ने जानबूझकर कहा कि मरने पर मगरमच्छ की पूँछ हिलती है। मगरमच्छ यह सुनकर अपनी पूँछ हिलाने लगा, जिससे गीदड़ को सच्चाई पता चल गई।

प्रश्नावली 8.3 — कहानी से (मिलान)

प्रश्न 1

नीचे कहानी से जुड़े कुछ चित्र और बातें हैं — उनका आपस में मिलान कीजिए: भूख के मारे प्राण निकलना, गीदड़ को लाने का प्रयत्न, डर के मारे प्यासा रह जाना, पूँछ हिलाना।

उत्तर: नमूना उत्तर: भूख के मारे प्राण निकलना — मगरमच्छ; गीदड़ को लाने का प्रयत्न — कछुआ; डर के मारे प्यासा रह जाना — गीदड़; पूँछ हिलाना — मगरमच्छ।

प्रश्नावली 8.4 — भाषा की बात

प्रश्न 1

वर्ग पहेली से पानी के अन्य स्रोतों को ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: वर्ग पहेली में पानी के स्रोत हैं — तालाब, नदी, झरना, बारिश, नहर, पोखर।

प्रश्न 2

दिए गए वाक्य में 'ल' को 'ह' और 'स' को 'भ' से बदलकर नया वाक्य बनाइए: 'मैं बलुत सूखा/सूखी लूँ।'

उत्तर: वाक्य में 'ल' को 'ह' और 'स' को 'भ' से बदलने पर नया वाक्य बनेगा: 'मैं बहुत भूखा/भूखी हूँ।'

प्रश्नावली 8.5 — मेरी सोच

प्रश्न 1

यदि हम गीदड़ के स्थान पर होते तो क्या करते?

उत्तर: नमूना उत्तर: यदि हम गीदड़ के स्थान पर होते तो हम भी सावधानी से देखते और बिना जाँचे आगे नहीं बढ़ते। खतरे का अहसास होते ही वहाँ से चले जाते।

प्रश्नावली 8.6 — आप क्या सोचते हैं?

प्रश्न 1

अगर मगरमच्छ पूँछ न हिलाता तो अनुमान लगाइए कि कहानी का क्या अंत होता?

उत्तर: अगर मगरमच्छ पूँछ न हिलाता तो गीदड़ शायद उस पर सूखे पत्ते डालने के लिए और पास आता। तब मगरमच्छ उसे पकड़ लेता और कहानी का दुखद अंत होता।